>

Title: Need to open new ordinance factory under Government Sector in Jabalpur, Madhya Pradesh.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): धन्यवाद सभापति महोदय, आज देश सेना की जरूरत के लगभग 70 प्रतिशत हथियार के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भर है। देश में निर्मित होने वाले आयुध में भी देश की सरकारी क्षेत्र की निर्माणियों की हिस्सेदारी बहुत कम है। इसे बढ़ाने के लिए यहां पर सरकारी क्षेत्र की नई आयुध निमार्णियां खोली जानी हैं। मेरे लोकसभा क्षेत्र जबलपुर में चार बड़ी ऑर्डनेंस फैक्ट्रियां जिसमें ऑर्डनेंस फैक्ट्री खमरिया, वेहिकल फैक्ट्री, तोप गाड़ी निर्माणी तथा जी.आई.एफ. फैक्ट्रियों के साथ ही 506, आर्मी बेस वर्कशॉप भी है। जबलपुर इन सुरक्षा संस्थानों के कारण पहचाना जाता है और हमारे लिए यह गौरव की बात भी है। लेकिन सरकारी नीतियों के कारण धीरे-धीरे इन संस्थानों को काम मिलना लगभग कम होता गया है। जहां पहले इनमें पर्याप्त वर्क लोड होता था और करीब 50000 कर्मचारी होते थे, वहां अब कर्मचारियों की संख्या मात्र 15000 ही बची है।

इसके कारण आस-पास के उनके जो रहवासी क्षेत्र, क्वार्टस थे, वे भी लगभग सभी खाली हो गए हैं। यहां की जो आयुध निर्माणियां हैं, इनमें खमरिया में फिलिंग के कार्य में लगने वाला बारूद आयुध निर्माणी चांदा, अम्बाझरी या फिर अन्य दूसरी संस्थाओं से लाया जाता है। इसके लिए खमरिया फैक्ट्री को इन पर निर्भर रहना पड़ता है और सप्लाई करने वाली इन फैक्ट्रियों के दूर होने के कारण इस कार्य में समय भी अधिक लगता है तथा ट्रांसपोर्टेशन पर भी अनावश्यक रूप से अधिक व्यय होता है। ऐसे में जबलपुर में अगर नयी बारूद फैक्ट्री खुले तो इससे इस विलम्ब और अपव्यय को दोनों को रोका जा सकता है। इसी तरह आर्डनेंस के हथियारों के निर्माण में लगने वाला जो प्रपोलेंट है, उसकी भी आवश्यकता के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इसे बनाने वाली देश की जो मौजूदा प्रपोलेंट फैक्ट्रियां हैं, उनमें कच्चे माल की कमी के कारण वे इसे पूरा नहीं कर पा रही हैं। जबलपुर में नयी निर्माणियों के लिए आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध हैं और साथ ही यहां की निर्माणियों में उपलब्ध मशीनरी का उपयोग भी इसके लिए किया जा सकता है। इसके अलावा नयी फैक्ट्री के लिए आयुध निर्माणी खमरिया के खाली होने जा रहे एल.पी.आर. रेंज की भूमि और यहां के कर्मचारियों के रिहायशी क्षेत्र का बड़ा भूभाग, जिसके जर्जर मकानों को गिरा दिया गया है, उस भूमि का भी उपयोग किया जा सकता है। यहां के कर्मचारियों के लिए बनाए गए क्वार्टस भी, जो आज सेवानिवृत्ति के कारण खाली पड़े हैं, वे भी इनके लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है कि जबलपुर में नये सुरक्षा संस्थानों के लिए समस्त परिस्थितियां अनुकूल हैं। अत: यहां नई बारूद फैक्ट्री एवं प्रपोलेंट फैक्ट्री खोले जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

MR. CHAIRMAN : You send your slip.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): सभापति महोदय, राकेश सिंह जी द्वारा आयुध निर्माण पर बोले गए विषय से मैं अपने को संबंद्ध करता हूं।